



सत्यम् एव जयते  
भारत द्वारा

# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग I—पार्ट 1  
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 108]

नई दिल्ली, शनिवार, जून 5, 1982/ज्येष्ठ 15, 1904

No. 108]

NEW DELHI, SATURDAY, JUNE 5, 1982/JAISTHA 15, 1904

इस भाग में खिल्म पृष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।  
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

बर्णित अधिकार

नियंत्रण नियंत्रण

सार्वजनिक तूचना सं. 26-ईटीसीपीएच 82

नई दिल्ली, 5 जून, 1982

विषयः— 1982-83 के दीर्घान अफीका मूल के आधारित अधिनिर्मित हाथी दांत के बने हुए हाथी दांत के उत्पादों की नियंत्रित नीति।

मिस्र सं. 51(1) 82-ई-II —उपर्युक्त विषय पर नियंत्रित (नियंत्रण) संशोधन आदेश सं. ई (मो) ओ, 1977/ए.एम. (242), दिनांक 5 जून, 1982 की ओर ध्यान आकर्षित किया जाता है।

2. बतंमान नियंत्रित नीति के अन्वाय, अधिक अवधारणा वालेंसों के अधीन आधारित अफीका मूल के अधिनिर्मित हाथी दांत के बने हुए उत्पादों का नियंत्रित अनुमेय है। 4 फरवरी, 1977 से पूर्व आधारित अफीका हाथी दांत वी बनी हुई बन्दूझी और जिसका भंडार 29 फरवरी, 1980 तक सभी व्यापारियों/विनिर्माताओं द्वारा अधिक भारतीय इस्तेमाल बांद (ए.प्राई.एन.बी.), नई दिल्ली को बढ़ावे ही चाहित किया जा चुका है, का नियंत्रित नियंत्रण, जंगली और संरक्षण क्षणि मत्रालय द्वारा प्रदान किए गए हुए प्रमाण पत्र के आधार पर भी अनुज्ञेय है।

3. नियंत्रित की पुनरीक्षा करने पर, अब यह नियंत्रण किया गया है कि 4 फरवरी, 1977 को या इसके बाद अफीका भूल के आधारित अधिनिर्मित हाथी दांत के बने हुए उत्पादों का नियंत्रित अनुमेय होगा और इसके साथ साथ जंगली फौता और फलांग (मी.आई.टी.ई.एस) की संकटापन्त जातियों के अन्तर्गत्रीय आवार पम्पेकन के अधीन प्रबन्धक प्राधिकारी (नियंत्रण, जंगली और संरक्षण, भारत मरकार, क्षणि मत्रालय) द्वारा जारी किए गए पुनर्नियंत्रित प्रमाण पत्र के आधार पर भी अनुज्ञेय होगा।

4. तदनुसार, आयात-नियात नीति, 1982-83 (वा० 2) के नं० ५ विवरण के पृष्ठ ३१ पर क्रम सं० १०० के सामने दर्शाई गई बर्तमान प्रविष्टि हटा दो जाएगी और उपर्युक्त नीति पुरलक के पृष्ठ ४ पर क्रम सं० ४(ब) ७ वा० के पश्चात् निम्नलिखित प्रविष्टि की जाएगी :—

अनुसूची 1 के भाग 'ब' के अनुसार क्रम सं०

मद का विवरण

लाइसेंस प्रदान करने की नीति।

1

2

3

4. फरवरी, 1977 से पहले आयातित अफ्रीका के हाथी दाँत से बनी हुई वस्तुएँ और जिनका स्टाक 28 फरवरी, 1980 तक अधिल भारतीय/हस्तशिल्प बोर्ड (अधिल भारतीय हथकरघा बोर्ड) को व्यापारियों विनियोगिताओं द्वारा घोषित कर दिया गया है, के नियात की अनुमति निवेशक, जंगली जीव संरक्षण, हृषि भवालय द्वारा प्रदान किए जाने वाले छूट प्रमाणपत्र के आधार पर दी जाएगी। ऐसा छूट प्रमाण-पत्र के बाद अधिल भारतीय हस्तशिल्प बोर्ड के इस प्रमाण-पत्र के बाद जारी किया जाएगा कि आयातित अफ्रीका हाथी दाँत से बनी हुई मद उनके पास विश्वित घोषित है।

(ii) अग्रिम अभद्राय आई०१००० लाइसेंस खुले सामान्य लाइसेंस के अन्तर्गत 4 फरवरी, 1977 को या उसके बाद आयातित अनिवार्य हाथी दाँत से बने हुए हाथी बीत के उत्पादों के नियात की अनुमति मुख्य भारत पत्तनों, बम्बई, कलकत्ता, विल्हेम और मद्रास पर जंगली जीव कोना और फलोरा (सी आई टी ई प्र०) की संकटापन्न जातियों के अस्तरीय व्यापार सम्बन्ध के अधीन प्रबन्ध प्राधिकारी (निवेशक, जंगली संरक्षण, भारत सरकार) द्वारा जारी किए गए पुनर्नियत प्रमाण-पत्र के आधार पर दी जाएगी।

(iii) संगत दस्तावेजों के साथ प्रत्येक परेण्य क्षेत्रीय महायक निवेशक/जंगली जीव संरक्षण, भारत सरकार द्वारा सत्यापन करने के अधीन होगा। नियात सीमा शुल्क प्राधिकारियों द्वारा सीधे ही अनुमति किया जाएगा।

[मि०सं० ५१(१)/८२-६-II]

मणि नारायणस्वामी, मुख्य नियंत्रक, आयात-नियात

## MINISTRY OF COMMERCE

### EXPORT TRADE CONTROL PUBLIC NOTICE NO. 26-ETC(PN)/82

New Delhi, the 5th June, 1982

**Subject:**—Export Policy of Ivory Products made out of imported unmanufactured ivory of African origin during 1982-83.

**F.No.51(1)/82-E II.**—Attention is invited to Exports (Control) Amendment Order No.E(C)O.1977/AM(242) dated the 5th June, 1982 on the above subject.

2. According to the existing export policy, export of Ivory Products made out of unmanufactured ivory of African origin imported under Advance/Imprest Licences is allowed. Export of articles made out of African Ivory imported prior to 4th February, 1977, and stocks of which have already been declared by the dealers/manufacturers to the All India Handicrafts Board (AIHB), New Delhi, by 29-2-1980 is also allowed on the basis of exemption certificate to be granted by the Director Wild Life Preservation Ministry of Agriculture.

3. On a review of the position, it has now been decided to allow export of ivory products made out of imported unmanufactured ivory of African Origin imported on or after 4-2-1977 also on the basis of Re-export certificate issued by the Management Authority (Director-Wild Life Preservation, Government of India, Ministry of Agriculture) New Delhi, under the Convention on International Trade in Endangered Species of Wild Fauna and Flora (CITES).

4. Accordingly, the existing entry appearing against S.No. 100 at page 31 of the Policy Statement of Import and Export Policy, 1982-83 (Volume II) shall be deleted and the following entry shall be made after S.No. 4(b)7B at page 8 of the above Policy Book:—

S.No. as in Part 'B' of Schedule I	Description of the item	Licensing Policy
1	2	3
4(b)7C	Ivory products made out of unmanufactured imported ivory of African Origin.	<p>(i) Export of articles made out of African ivory imported prior to 4th February, 1977, and stocks of which have already been declared by the dealers/manufacturers to the All India Handicrafts Board (AIHB) New Delhi, by 29-2-80 will be allowed upto 31-3-1983 on the basis of exemption certificate to be granted by the Director, Wild Life Preservation Ministry of Agriculture. Such Exemption Certificates will be issued only after the AIHB certifies that the item is made out of imported African Ivory duly declared with them.</p> <p>(ii) Export of ivory products made out of unmanufactured ivory imported on or after 4-2-1977 under Advance/Imprest/REP Licence/OGL. will be allowed from four major ports of Bombay, Calcutta, Delhi and Madras on the basis of Re-export Certificate issued by the Management Authority (Director, Wild Life Preservation, Government of India) under the Convention on International Trade in Endangered Species of Wild Fauna and Flora (CITES).</p> <p>(iii) Each consignment alongwith related documents will be subject to verification by the Regional Assistant Director, Wild Life Preservation, Government of India, Export will be permitted direct by the Customs Authorities.</p>

[File No. 51(1)/82-E II]

MANI NARAYANSWAMI, Chief Controller of Imports & Exports

